Batch - 3
Lecture - 8
Indian Society

05-12-2023

## जाति आधारित जनगणना के विपक्ष में तर्क/हानि

1. विभिन्न जातियों के मध्य विद्वेष की भावना में वृद्धि तथा सामुदायिक सौहार्द्रता कमजोर।
2. सरकारी सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए जाति बदलकर दर्ज करवाने की संभावना।
3. गलत सूचना से समानता एवं सामाजिक न्याय का लक्ष्य बाधित।
4. आरक्षण के मुद्दे पर विभिन्न जातियों में संघर्ष एवं तनाव में वृद्धि की संभावना।
5. जाति आधारित राजनीति को बढ़ावा और लोकतंत्र को खतरा।
6. आधुनिक समाज के निर्माण की प्रक्रिया बाधित।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

समीक्षा -

निश्चित रूप से जाति आधारित जनगणना के कुछ नकारात्मक प्रभाव दिखाई देते हैं.... परंतु भारत जैसे जातिप्रधान देश में जहां जाति व्यवस्था कुछ परम्परागत रूप तथा कुछ नवीन स्वरूपों के साथ अपनी निरंतरता को बनाये हुये है और आरक्षण हेतु सामाजिक-शैक्षणिक पिछड़ेपन के आधार के रूप में क्रियाशील है - आधुनिक समाज के निर्माण के तर्क पर

जाति आधारित जनगणना के लाभों को अस्वीकार नहीं किया जा सकता है।

इसलिये निष्कर्ष है कि-

समकालीन भारत में जाति आधारित जनगणना की कुछ हानियों के बावजूद आवश्यक एवं प्रासंगिक है, क्योंकि इससे न केवल विकास योजनाओं को वांछित लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी बल्कि आरक्षण व्यवस्था का तार्किकीकरण भी संभव होगा और सामाजिक न्याय से युक्त विकास के लक्ष्य की प्राप्ति संभव हो सकेगी।

संभावित प्रश्न-

1. भारत में जाति आधारित जनगणना के औचित्य का परीक्षण कीजिए।

2. भारत में जाति आधारित जनगणना, जाति आधारित आरक्षण के तार्किकीकरण में कहाँ तक सहायक हो सकती है? उपयुक्त तर्क के साथ उत्तर दीजिए।

उत्तर संरचना

Part-1 : आरक्षण का अर्थ एवं उद्देश्य

Part-2 : आरक्षण के संदर्भ में जाति आधारित जनगणना की हानि

Part-3 : आरक्षण के संदर्भ में जाति आधारित जनगणना का लाभ

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform © KHAN SIR

Part-4 : समीक्षा (लाभ पर केन्द्रित)

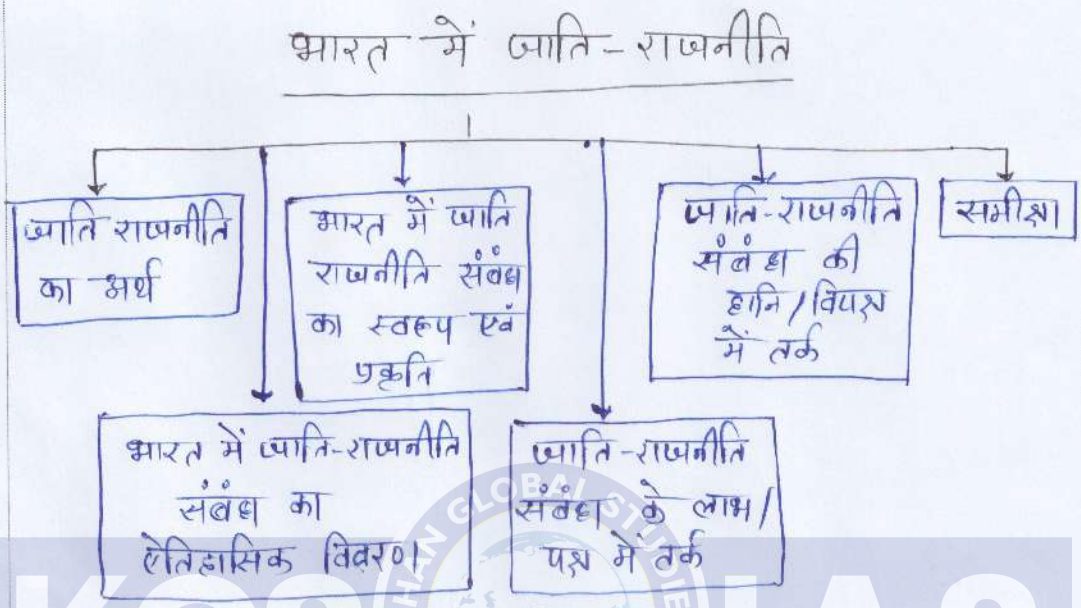


KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR